

19th 22 प्राक्की पेश दृष्ट आवाजे लगवाई गई।
 बार-बार आवाजे लगवाने जाने से वाक्य
 प्राक्की उपलब्ध नहीं। (जिससे यह प्रतीत
 होता है कि प्राक्की की कृति प्राक्की-पत्र
 में नहीं है। अतः प्राक्की-पत्र मजदूर
 द्वारा RTA पर मुझी स्टेट पर प्राप्त
 प्राक्की एवं अक्ष प्रती में क्वॉरिज किया
 जाता है। प्राक्की निर्णय में अक्ष
 प्रती एवं प्राक्की रखित प्रती है।



41

उपखण्ड अधिकारी
 मुंबई नगर